

**हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि ( एम. ए. हिन्दी )**

**( एम. एच. डी. )**

**सत्रांत परीक्षा**

**जून, 2023**

**एम.एच.डी.-13 : उपन्यास : स्वरूप और विकास**

**समय : 2 घण्टे**

**अधिकतम अंक : 50**

---

**नोट :** निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

---

1. उपन्यास के स्वरूप पर पाश्चात्य विद्वानों के मतों का विवेचन कीजिए।
2. उपन्यास के प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए।
3. हिन्दी उपन्यास का अर्थ एवं स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसकी लेखन परम्परा पर प्रकाश डालिए।
4. उपन्यास में यथार्थ के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।

5. उपन्यास की कथावस्तु के आधार पर उसके भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
6. उपन्यास आलोचना की प्रमुख विचारधाराओं को आरेखित कीजिए।
7. उपन्यास के विकास में प्रथम विश्वयुद्ध के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।
8. उपन्यास में कथावस्तु के महत्व का मूल्यांकन कीजिए।
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :
  - (क) जादुई यथार्थवाद
  - (ख) गोदान
  - (ग) शरतचन्द्र चट्ठोपाध्याय
  - (घ) तुर्गनेव की औपन्यासिक दृष्टि